BSES

बीवाईपीएल ने लॉन्च की हाईटेक डीएमएस तकनीक

अब कंप्यूटर से कंट्रोल होंगे 11 केवी के सब–स्टेशन फॉल्ट का पता तुरंत चलेगा

नई दिल्लीः 26 फरवरी, 2017। अपने उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली और विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बीवाईपीएल ने अपने 11 केवी सब–स्टेशनों का ऑटोमैटिक संचालन शुरू कर दिया है। अब कंप्यूटर से ही 11 केवी के सब–स्टेशन कंट्रोल किए जा सकेंगे। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर, मयूर विहार से इसकी शुरूआत की गई है। इस हाईटेक डीएमएस यानी डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन आज दिल्ली के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने किया।

इस लॉन्च के साथ ही बीवाईपीएल दुनिया की उन डिस्कॉम्स में शामिल हो गई है, जिनका बिजली वितरण सिसटम न सिर्फ 66 केवी और 33 केवी जैसे बड़े स्तरों पर, बल्कि 11 केवी जैसे निचले स्तर पर भी ऑटोमैटिक हो गया है। देश के 70 से अधिक डिस्कॉम्स में से कुछ के पास ही डीएमएस तकनीक है।

दरअसल, डीएमएस विभिन्न सेंसरों, उपकरणों और एप्लिकेशनों का संग्रह है, जो केंद्रीकृत कंट्रोल सेंटर से रियल टाइम आधार पर बिजली वितरण नेटवर्क की मॉनिटरिंग और उसका इंटेलिजेंट कंट्रोल सुनिश्चित करता है।

सेंसरों द्वारा इकट्ठा किया गया डेटा, संचार प्रणाली के माध्यम से सेंट्रल कंट्रोल सेंटर में ट्रांसमिट हो जाता है। वहां उस डेटा को इंटेलिजेंट एप्लिकेशनों द्वारा मॉनिटर किया जाता है और उसका विश्लेषण किया जाता है। उसके बाद, वितरण नेटवर्क व उपकरणों की विश्वसनीयता, उत्पादकता व दक्षता को बढ़ाने के लिए ऑटोमैटिक तरीके से सटीक कंट्रोल कमांड भेजे जाते हैं।

दरअसल, बीवाईपीएल हमेशा से अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाती रही है, ताकि वह अपने उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध करा सके। इस दिशा में अपने प्रयासों के तहत एक ओर जहां पूरे बिजनेस परिचालन को सैप तकनीक से जोड़ा गया है, वहीं दूसरी ओर 66 केवी और 33 केवी सब–स्टेशनों को स्काडा सिस्टम से भी जोड़ा गया है। फिर, पूरे वितरण नेटवर्क के लिए इंटेलिजेंट आउटेज मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया गया और अब मयूर विहार में डीएमएस यानी डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

पायलट प्रोजेक्टः

बीवाईपीएल सीईओ पी आर कुमार के मुताबिक, बीवाईपीएल ने श्नाइडर के साथ मिलकर मयूर विहार में डीएमएस तकनीक विकसित की है, जिससे लगभग 15 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के करीब 1 लाख उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिलेगा और उनकी बिजली आपूर्ति में अभूतपूर्व सुधार आएगा। इसके तहत, 11 केवी के 60 सब–स्टेशनों को कंप्यूटर के माध्यम से मॉनिटर और कंट्रोल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर 1.8 करोड़ रूपये की लागत आई है। मयूर विहार के बाद इस तकनीक को बीवाईपीएल के अन्य इलाकों में भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

इस सिस्टम के लाभः

बजली की विश्वसनीयता में बढ़ोतरीः यह सिस्टम बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। यह ऑटोमैटिक तरीके से फॉल्ट्स का पता लगा लेता है और फॉल्ट्स को बाकी के सिस्टम से आइसोलेट कर देता है और बिजली बहाल कर देता है। इस तरह, फॉल्ट आने से लेकर बिजली बहाल करने तक में लगने वाला समय काफी कम हो जाता है।

बिजली की गुणवत्ता में वृद्धिः वोल्टेज प्रोफाइल, करंट, आदि पैरामीटर्स को सेंसर्स लगातार मॉनिटर करते रहते हैं और वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उपभोक्ता को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति मिले।

प्रभावी परिचानल व रख–रखावः चूंकि सिस्टम रियल टाइम आधार पर मॉनिटरिंग करता है, इसलिए बिजली उपकरणों में किसी भी समस्या का पता जल्दी चल जाता है और उपकरणों के फेल होने से पहले ही उन्हें बदल दिया जाता है।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।